

श्री

कुल वंश गुण आन

न वल

कुल वंश गुण आन

कुल वंश गुण आन

कुल वंश गुण आन

सिद्ध

कुल वंश गुण आन

कुल वंश गुण आन

2724

ASHA ARCHIVES

मेषकेशरिधन्वीनामेषाद्याः नवांशकाः

वृषकन्यामृगानाचमकराद्यानवांशकाः ॥ तु

हामिथुनकुंभानां तुलाद्याः नवांशकाः ॥

कर्कटश्रिकमीनानां कर्कटाद्याः नवांश

काः स्वनवांशस्तदेवे शिवोक्तय इति स्म

ताः ॥ केन्द्रचतुष्टयं करारकंच लक्षास्त

चतुर्थन्दशमानाः । संज्ञापरतः परपरआ

योक्तिः सप्यथक्रमशः ॥ त्रिणाभदशमा

रीशां भवेदुपचयामिद्याः । चतुर्थाष्ट

मयोः संज्ञाचतुस्त्रैस्तताः पुनः ॥ वस्तु

संज्ञायपात्तालदिपुर्कपंचमचव्यी ॥ धू

नधूनसथास्तचयामित्रं सप्तमं स्मृतं ॥ द

मंचाम्बरमध्यादिप्रत्यादष्टमं गृहं । रुका

दशं भनेलाभं सर्वतो भद्रमेव च ॥ द्वादशं

चगृहेऽरिष्टं त्रिकोरां नवपचमं विषमोथ

समपुस्त्री कूराकूरश्चनासतः ॥ चरश्चिर

द्विस्वभावाः मेषाद्याः राशयो स्मृताः दुश्चि

कं स्यात्तृतीयं च चतुर्थं सुखसहस्रं च

तनुर्द्धनं च भ्राता च सुहृत्पुत्रोरिपुस्त्रिय

मृत्पुश्चधर्मकर्मायव्याः भावाः प्रकिर्ति

ताः ॥ ॥ शीर्षं मुखवाहुद्वयोदराशिव

श्री

दिवसि गुह्यसज्जानि । उरुजा तु कजद्यो
चररा विरति राशयोऽजाद्याः ॥ ॥ कालात्मा
दिदृक्कर्मनस्तन हिमगुः सत्त्वं कुजजो वचो जी
वो ज्ञानसुरवे शीतश्चामद नो दुःख दिनशात्म
ज राजानार विशीतगूक्षितिसुतो नेराकुमा
रो बुधः सूरिर्दानवपूजितश्च सचिवो प्रेष्य
सहस्राश्रुजः ॥ ॥ वरारिप्ता मसितासिक्त
हरीतो व्यापीत्कता चनासितः व ह्यम्बामि
जके शविन्द्रहाविकाः सूर्यादित्याथ ॥ क्रमो
त ॥ प्रागाधार विश्वकलोदितमसौरे

दुविस्मयः क्षीरोदकमही सुतार्कतनया
पापाब्धस्तैर्पुतः ॥ ॥ बुधसूतौ नपुंस
कारव्योऽशीकश्च कोपुवतीनरास्तः शेषा
क्षितिभूरवपयीमहद्रातां वक्षिशीनो
भूमि सुतादयः क्रसेरा ॥ ॥ विप्रादितः शु
क्रगुरुकुजाकोऽशीब्धश्चेत्यसितोत
राणां चन्द्रर्विजीवाश्रितौ कुजाकि
यचाक्रमसत्वरजस्तमांती ॥ मधुकिं
महकतुर स्वातनु ॥ पीतं प्रकृती ॥
सभीताह्यकवः ॥ तनुवृत्ततनुर्विद्रु

वा त क परः । प्राजा न्द्रा इति मृदु वा
क मुरा द क कः । कुर र द क व त रु
त मु ती रु दार पे ती क व सु च प ल
क स म ध्याः । सी हृ वा क टा त त हा म्य
र ची जः पी त मा र त क पर प्र क ती म्य
वृ ह त नु पी ग ल मु द ते क ने वृ ह म्य ती
मे व पुः सु लो च नः क फां ति ला शि त व
क मृ द्धि जः । म न्द्रो लं स क पि ल दृ क्क श द्धि र्
मा व स्थू ल धि जः पर व रो म क बो ती ला
मा । स्त्रा व स्थू ल क त्व ग थ भु क शू रे ज्य
नो मा रे वा म्गि वि ह र को य श य न क्षि
सु क रा म्यः क मा र । व स्त्रा स्थू लं म भु क्त

मग्नि क ह त म ध्य दृ ष फा य ता ता म् स्या
म शि ह म पु क्ति र जा ता न्य को तु मु क्त ।
प मी प्रे षा रौ सि शि रा द्य श भु क्त च द
ग्वा धि पु द्य शु भा । । श नु म न्द्र सि नो
स भा श्व र्दि शि शि जो मी त्र ने शे शार वं
स्ती ग्मा भु र्दि म रा द्धि म ज श्व सु दृ ष शे
धा स मा शी न गाः । सी वे द्ध क राः । कु
ज स्य मु दः । स्य नो रीः सी ता की स मोः मी त्र
सु र्य शी नो पु व द्य ही म व रुः । स नुः स मा
मा प रेः । मुरो लो म्य सी ता न री र वी
सु नो म च्या प रे त्व द्य चाः । सो म्ना की

उदये ममो कृत्तु रु सु क्र त्वा हो वा
वरीः ॥ सु क्र हो सु ह दौ स मः सु रगु
रुः ॥ सौ र त्वा ना त्वा र योः ॥ य प्रो त्ता सो
नी को रा व ना सो भी म या की ती तिः ॥
ज त्वा न्य स्य भ त स्य षा य स ह ज मा वार
वंधु स्यो ती ॥ तत्काले न पु त क्ष ता त
ती सु ह मी ॥ दी मीः ॥ कल्प ये तः ॥ ॥
पा दै क दृष्टी दि श मे तृ ती येः द्वि पा द दृ
ष्टी न पंच मे युः ॥ ॥ त्री पा द दृष्टीः ॥
चतुरा द के पुः सुं पुरा द दृष्टीः ॥
मम स प्र मे युः ॥ ॥ पुं की ज त्म ज्ञा त
मा ह ॥ ॥ ज्ञा त को पु र व वा हा के रु व
ती भी त्वा ना कं गृ वी त्दु भीः ॥

71
पुं ज त्म प्र व दौ त्म मा हा क ग नै थु
मे पु नै थो पी ताः ॥ ॥ व को वी व मे
तर हा ही र्गि ती व क्र त्वा द र मे स्त्रीः ॥ या
हं ग र्गि ती व व वी वा ए व य म लो
कु र्व ती प दै स्व के ॥ पी तु ज त्म प री च
स्य त गृ मी द्वा व प र प ती ॥ वी दे स
स्य स्य न र मे म द्या दृष्टे दी वा के रेः ॥
उदय स्ये पी वा म त्दे कु र्जे वा तं स मा
ग ते ॥ ॥ स्यो ते वा न क्ष पाना ये हा हा ॥ क
सु त मृ क्र यो ॥ ॥ ता त वी थो त ज म
हा ॥ दा ग सीं हे वृ वे त ग्गो त स्ये सौ रे
च वा कु र्जे हा स्यं हा स दृष्टो गा वे ॥ जा य
ते ना त वे थो तः ॥ स्वे हः हा हा क दृष्टा

तीः दीर्घोर्क युता ध्रुव वाचराद्यैः
हारचतस्रात्मनीकेह संस्थेर्नेययग
हवीर्यसमन्वीते वाः गृहस्वरुपा
जरीं स कृतम कजे कीती रुते दग्ध
नवं शीतगौः काद्याधनदठरवोश
शीतुते तत्रैक शील्यो दूवारं मन्त्रीना
युत नवंच जेजीवेद उमदीरं चक्रस्थे
श्रवणोपदेक्षरचनासामजपुर्विवेत्
दिगावधारणार्थः मेघकुलीरनुत्तालीध
दैः प्रागु तो गुरु भौम्य गृहेषु पृथ्वीम
तमच वृक्षे जानीवाद्योगादुक्षितामाः
गाकरो मृगाभीहोः उपलुतीकाजा
तार्थः लग्नचन्द्रमणितिरुहैः

ध्रुवपलुतीकाः वहीरंतस्थचं
ऊर्ध्वेदुस्यदुस्यदुस्यदुस्यदुस्यदुस्य
वरुपाः लग्ननवाशपतुलतनु
स्थार्थे ययुतागु हतुल्यमनुवी
चंद्रममेतनवाशपवर्णकादीवी
लग्नवीनतरमगात्रः ॥ ॥ जातम्य
वरामप्रकादीतीरुपतार्थः कदुफा
भोग्ननासाकपोतहतवोवक्रचहोरा
दयः सैकराडाशकपार्श्ववाहुहदयः
क्रोदातीनाभीस्ततः वक्षीमृशीष
पुदेततम वृषणावृत्तः तोजावृ

नीजचा श्रीछुपमपत्रवांममुदी
 तेदेकासाआगेल्लीचा। तल्लीपा
 पयुतेवरा। मुअयुतेदपेचल
 द्यादीलेतः। वकोडाल्लीरसयुते
 चरहजः। स्यादमथावांतुकः।
 मदेष्मातीलजोपनीसम। की
 षजोओमेबुवेअभवः॥ सुयेका
 वचतुअदेतहीमयोमुगाप्रयो
 मेः। सुभः॥ कमाजीवजातमअथी
 सकजनादीवावारायेः॥ होरेतदे

देशमगतैर्विकल्पतीयामेहोकार्थि
 दपतीणांमनायवृत्त्या॥ ललनात्युता
 कललकेसुअपतीप्रापेथवालाकीतेः
 चंद्रायदीसस्यदल्लीदीतथजेयो
 त्याचाउंसअवा॥ वंदुअगतोवा
 पीयद्यद्रावसमंयुतोतमलानीप्र
 तीवलोप्रवीमेतांतमोगहो॥ व। प्रथ
 मस्थानमम्वमोदभीजसुदीतीयंकः
 म० अमममतीयस्याचतुअर्थिकंत
 ल्यीतीति॥ केदुलीकोरापतयः सम्व
 मेवपरस्थइतरैरप्रशक्तोचदीसेखः

लघु साधन की मुदी

न नाना

२- सुदी = सुद रूप

४३३ न मः श्री

फलदायका ॥३॥ दसम भवता वः

केन्द्र कोशे नराणां स भवती नर नाजः

लोकर मात की ती ॥३॥ संज्ञा व्या ये यत्नय

द्रव्य भुक्तः कर्मजीवो यत्नय चो पदी मृ

भावा तथा ना लोक योगो भवंच तल

सर्वतल्य योज्यं द साया ॥३॥ लजे तरी से

पार्च वायावती छ भी रेवे चरा ॥३॥ सुभ

ॐ नमो ॥ श्री लक्ष्मी देवी नमः ॥ १ ॥

सूपांः लक्ष्मी देवी ॥ आपना ॥ मकंलो
पना

परिचापनायाय ॥ गुरु ॥ जलघट ॥ ॥

बुनि आपनाः ॥ चुनका पातासनां चोय ॥

॥ गाय ॥ पुत्र ॥ जरा ॥ वीकं मल्ल

लयाय ॥ ॥ गवन ३ ॥ नञी सीवोयः

कना ॥ मही ॥ नय ॥ चुनका वः ॥

पुजा मल संकल्पयाय ॥ सनान्याक ॥

इ सं केन्य पर भी स्य क काय ॥ देवची

या गय ॥ वाक ॥ नमो स भगवत्य ॥

ॐ नमो स भगवत्य ॥

वे गोचन प्रभ कं नु राजाय ॥ न्याही ॥

नमस्कात्रेयाय ॥ चुनका वः ॥ जापयाय ॥

मंक ॥ ॐ श्री लक्ष्मी देवी यत्नाहा ॥ उपयायः

भगवंतु सर्ववी दारा जलियाही ॥ ॥

॥ ज्ञ ॥ पा ॥ पु ॥ पादार्घ्यय ॥ ॐ लक्ष्मी दे

वी नृणां तका य पादार्घ्यं प्रतीवृत्त्याहा ॥ ॥

स्नानवाय ॥ ॐ श्री लक्ष्मी यत्नाहा ॥ ॥

ॐ सर्वलक्ष्मी यत्नाहा ॥ ॐ वीत्वलक्ष्मी

यत्नाहा ॥ ॐ सुवलक्ष्मी यत्नाहा ॥ ॥

ॐ राजलक्ष्मी यत्नाहा ॥ ॐ गृहलक्ष्मी य

त्नाहा ॥ ॥ ॥

ॐ धनलक्ष्मीय स्वाहाः ॥ ॐ धन्यलक्ष्मीय
स्वाहाः ॥ ॐ लक्ष्मी संतु नाथ स्वाहाः ॥ ॐ
जयलक्ष्मीय स्वाहा ॥ ॐ बुधीलक्ष्मीय स्वाहा
ॐ धृतीलक्ष्मीय स्वाहाः ॥ ॐ सुनलक्ष्मीय
स्वाहाः ॥ ॐ मां कालक्ष्मीय स्वाहाः ॥ ॐ मां हस्त
क्ष्मीय स्वाहाः ॥ पुः ताः तोताः ॥
ॐ श्रीलक्ष्मी महादेवी जगत्माता वरे
स्वरीः पु त्वय्यमहाकायं उवरी प्रत
वाहनी ॥ वसुंधरा सदानादारीद
नता तारनीदृष्ट्यामीमनुष्ठानाः
लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी प्रदयनी ॥ रुजं सं

वीजं संजातं सर्वकामाय लक्ष्मी देवः ॥
नानारूपधरं वंद्यं लक्ष्मी लक्ष्मी प्रद
यनीः ॥ ॐ ॥ धृती धृष्टी धाल मलुन
धीया ॥ लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
यकः ॥ त्वरि वा कयानाः स्वाहाय ॥ नैव
यः धाला जयमर्मा धृती धृष्टी का
गुरुमलुन दन्या ॥ लंख वलीः वीर्यजनः
कायमल पुजायाय ॥ लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
सकं लक्ष्मी ॥ तुष्टि ॥ जलधत उमकं पुजा
यायः ॥ हकन देव पुजायाय ॥ वाक् पुजा
की लक्ष्मी ॥ जयजगः जया देवी जयते

लो स्य वा सीनी ॥ जय लुष्टि करुणा यः ज
य महार का रीली जय नमः श्री वीष्णु रुपाः ०

जय नमः श्री वीष्णु रूपीनी ॥ माहा माया माहा

वीद्या ० महारुपा महाराया ॥ बुद्धी रुपा कशा

रु वीः माहा वरी नाम लुप्त शून्य न शून्य तो

वापीः की यतां लुष्ट की रुपा ॥ वीत्ता संकुर्व

रु वीः पाप जन्म न भुवः प्रसादं कुर्वरु

वीः कन पुता प्रवृत्त नः मर्चिलोका भीम

नीत्यः महा मे प्रययनीः मुक्ती मुक्ती म

यती रु वीः माहा लक्ष्मी परम्य वरी

॥ १०० ॥ अली नृत्तली नृत्त सीमा युगा युगा

मो जन वाकः ॥ प्रमा पन यती खुदू ॥ १० ॥

नृत्त प्रजा याय सायः सीयायः ॥ तल उनाः उम

कुः वउपती पुजा कयः उतापि स कयः धरि

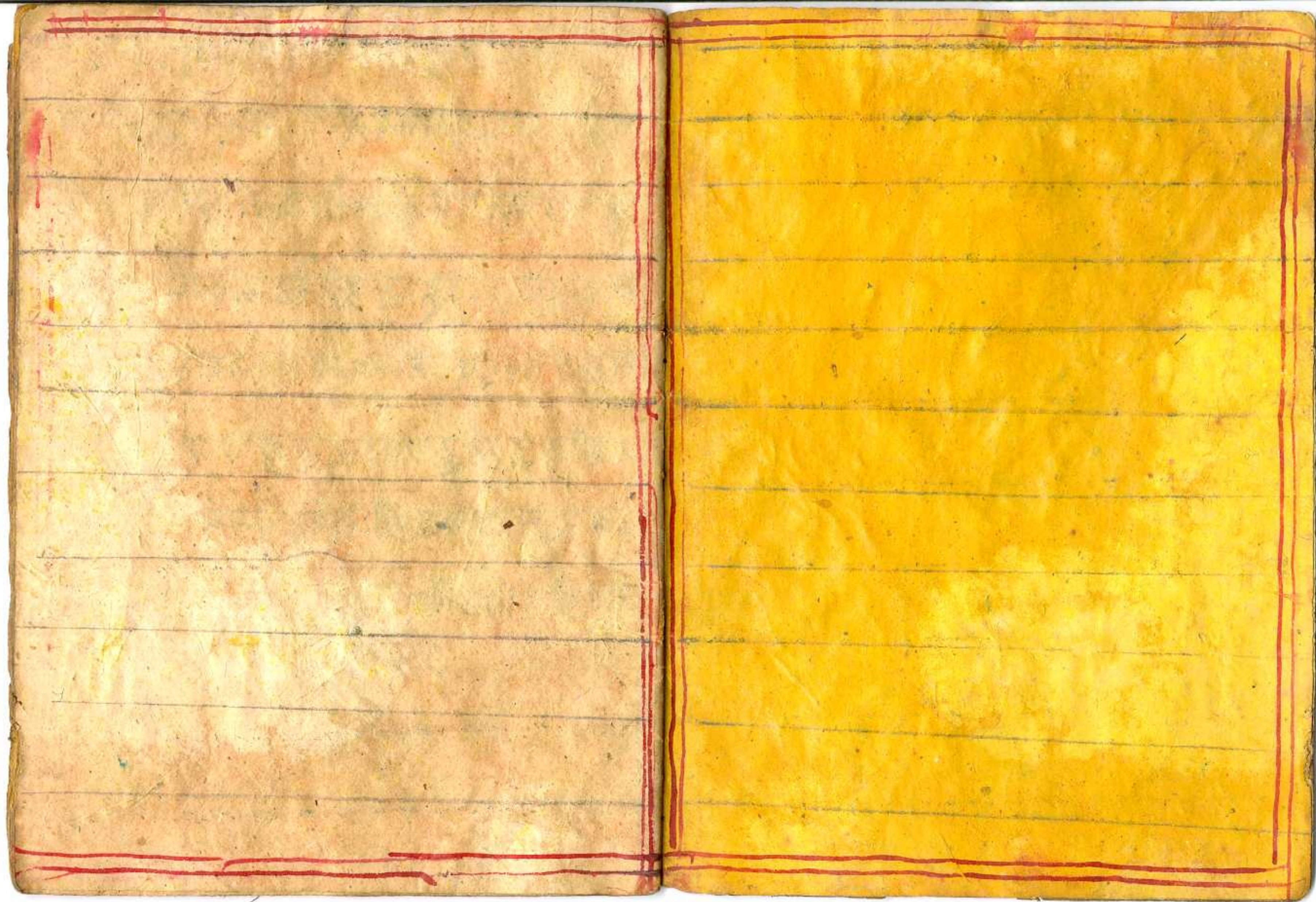
दय ॥ प्यदू खुदू ल श्री द्या क कायः ॥ १०० ॥

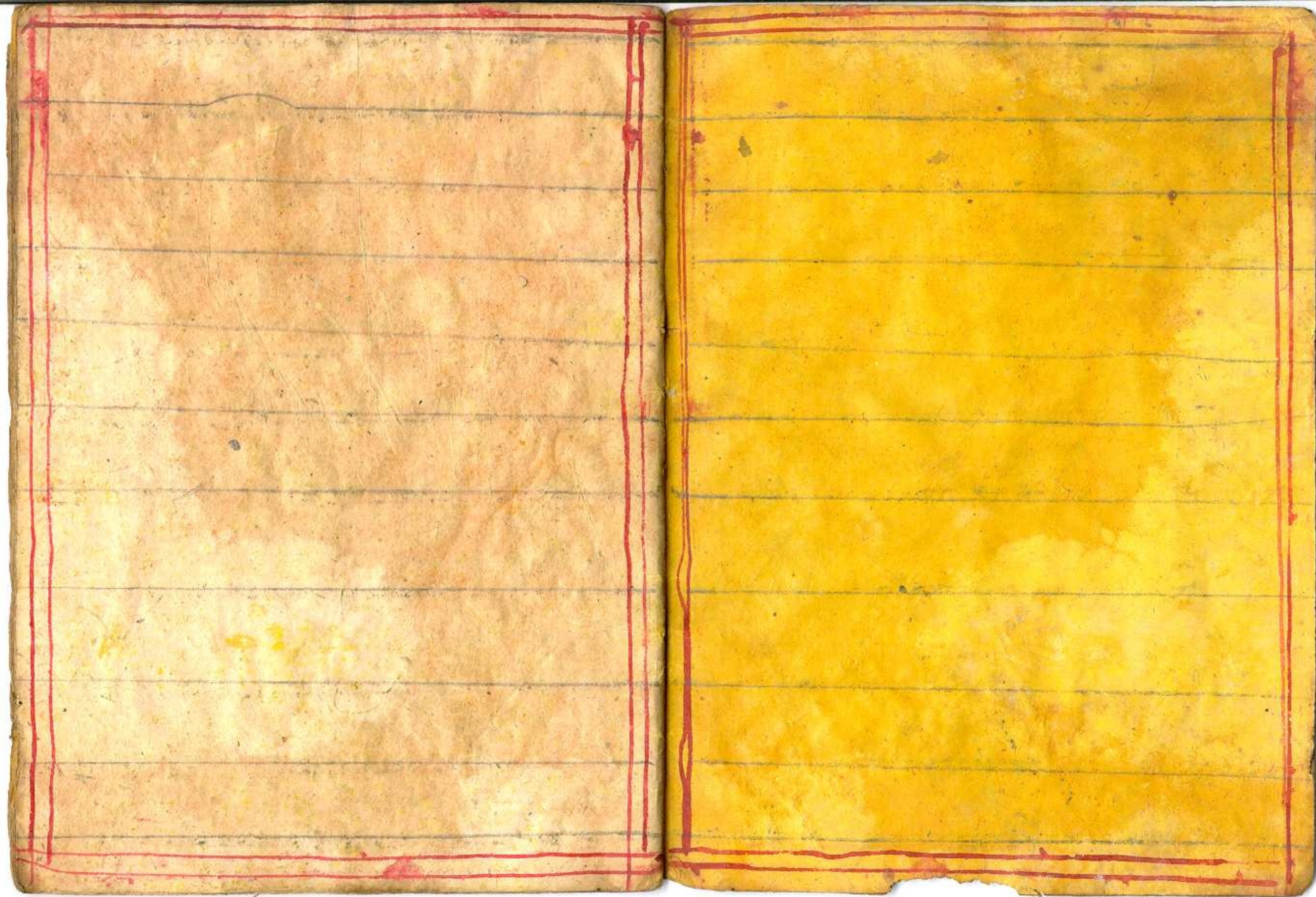
सवत् १०३७ ॥ २००० साल आषाढ शुक्ल ११

दशी खुदू सीद्वय का जुल शुभ न ॥ १०० ॥

दव प्रजा ॥ उ नमः श्रीः लक्ष्मी यनमः ॥ पादा धत

य ॥ श्री लक्ष्मी विरय न कायः पाद्यं प्रति सुखा हा





॥ नात्काली कमथमा

दि

ॐ तीनगरु उप वसन मन्त्रः॥
 ॐ हीली २३ २०० एननमृती कामरी
 मन्त्र धुली दद्यात्सर्व परायता॥ मन्त्रा २
 ॐ एननवाद्यः परायता॥ वंदुगी २
 ॐ एननहृसी परायता॥ गली २००
 एननगाम परायता॥ ॐ दीव दृकनाथ
 वन्दु महाने मन ३३३॥ ॐ

आशा मन्त्राधि
 2724
 ASHA ARCHIVES

Handwritten text at the top of the page, possibly in Devanagari script.



2724

ASHA

Handwritten text in Devanagari script, possibly a title or description.

Red ink markings or stamps at the bottom of the page, possibly a signature or date.

Handwritten text in Devanagari script, possibly a date or location.